

SEMESTER - II

हिन्दी पद्य साहित्य

लक्ष्य:

१. कबीर और तुलसीदास के दोषों में व्यक्त सामाजिक संदेह जो आज के समय में भी प्रासंगिक हैं, विद्यार्थियों को उनसे परिचित करना। सूक्ति के पदों की लयात्मकता से परिचित हो पाना।

२. आधुनिक काल के प्रमुख हिन्दी कवियों का योगदान और विशिष्ट साहित्यिक विधाओं में उनके योगदान का आकलन कि सकेँगे।

३. तन्त्र के माध्यम से विद्यार्थियों के सामाजिक ज्ञान की वृद्धि होना।

४. प्रयोजन मूलक हिन्दी के अंतर्गत विद्यार्थी विशिष्ट साहित्यिक विधाओं से अवगत हो पाना।

५. अनुवाद और संश्लेषण ऐसी कलाएँ हैं, जिनके अभ्यास से विद्यार्थी भाषाओं में तनपुणता प्राप्त कर सकते हैं।

Unit - I

प्राचीन कविता

१. कबीरदास - ५ दोहे

२. सूक्तिदास - ाल विनि

३. तुलसीदास - ५ दोहे

Unit - II

आधुनिक कविता

१. मातृभाषा - भातिंदु विश्विंद्र - ५ दोहे

२. शक्ति - सूक्तिकान्त बत्रपाती तनिला

३. मादा भ्रूण - विजनी ततलक

Unit - III

सामान्य तन्त्र

१. विद्यार्थी और अनुशासन

२. विश्वि भाषा के रूप में हिंदी

३. पर्यावरण प्रदूषण

Unit -IV

प्रयोजन मूलक हिन्दी - परिचय

सिकािी पत्र- परिभाषा एि पत्र का नमूना

१.परिपत्र

२.ज्ञापन

३.अर्धसूिना

Unit - V

१. अनुिाद - अंग्रेजी से हिन्दी(४ - ५

पंक्तयोंं तेलुगू से हिन्दी (४ - ५

पंक्तयोंं

२. संिेपण

परिणाम: द्वितीय सत्र केसफल समापन केउपिांत विद्याथी तनम्र विषयों में सिम िोंगे।

१.प्रािीन कविता केअध्ययन से विद्यार्थियों में सामाकजक िेतना जागृत िोगी, काव्यगत वििेषताओं से परिर्ित िोंगे।

२.आधुतनक काल की विविध प्रकक्रयाओं का आकलन तथा विश्लेषण।

३.विशभन्न तन ंधों केमाध्यम से विद्यार्थियों केसामाकजक ज्ञान की श्रीिृद्ध।

४.प्रयोजन मूलक हिन्दी का ज्ञान प्राप्त कि विद्याथी सिकािी तथा गैि सिकािी संगिनों में अनुिादक पद केशलए अपने आप को तैयाि कि पायेंगे।

५.अनुिाद अभ्यास जो साहित्यक एि अनुप्रयुक्त माध्यम से किाया जाता िै, यि विद्यार्थियों केशलए उपयोगी शसद्ध िोगा। संिेपण कला केअभ्यास से भाषाई तनपुणता प्राप्त कि सकते िैं।

संदभिग्रंथ

१. गद्य संदेि - डॉ निशसंिम शिकोहट

२.कथालोक- डॉ घनश्याम

३.काव्य दीप- श्री िीािाधाकृ ष्ण मूतति

४. आधुतनक हिन्दी व्याकिण औ ििना - डॉ िासुदेि नंदन प्रसाद